www.vibhorvarta.com

R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251

E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक

विभोर वार्ता

''मिथ्या से दूर सत्य के पास''

हरिद्वार

बुधवार, 9 जुलाई 2025

(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)

वर्षः 17 अंकः 242

पृष्ठः 8 मूल्यः1 रूपये

ऊधमसिंहनगर ■ देहरादून ■ हरिद्वार ■ चंडीगढ़ ■ मेरठ से एक साथ प्रकाशित

केंद्रीय मंत्री चौहान से मिले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

कृषि संबंधी योजनाओं हेतु लगभग 3800 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की

नई दिल्ली(ब्यूरो)। नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री ौपअतंर ैपदही बेवनींद जी से भेंट कर प्रदेश की कृषि एवं उससे जुड़ी विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन और विस्तार हेतु अनुरोध किया। इस दौरान मंत्री द्वारा प्रदेश की कृषि संबंध ी योजनाओं हेतु लगभग घ्3800 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई, जिसके लिए उनका विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं। यह सहयोग राज्य की कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

सिद्ध होगा।

इस दौरान जंगली जानवरों से कृषि उपज की सुरक्षा, फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना के माध्यम से कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन, स्टेट मिलेट मिशन के प्रभावी संचालन तथा बीज आपूर्ति प्रणाली को सशक्त बनाने पर सहयोग का आग्रह किया।इसके अतिरिक्त, सेब उत्पादन के दृष्टिगत उच्च गुणवत्ता की नर्सरी, कोल्ड स्टोरेज, सॉर्टिंग व ग्रेडिंग यूनिट की स्थापना, कीवी व ड्रैगन फ्रूट मिशन को बढ़ावा, सुपर फूड्स (मशरूम व एग्जॉटिक वेजिटेबल्स) हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना तथा पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में एग्रो टूरिज्म स्कूल की स्थापना के लिए भी केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया।

सीएम धामी के हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के निर्देश दिए

देहरादून(सूवि)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अधि कारियों को पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के निर्देश दिए। कुमाऊं क्षेत्र में यह मैराथन गुंजी से आदि कैलाश और गढ़वाल में नीति माणा से लेकर मलारी तक आयोजित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस आयोजन को वार्षिक पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जाए और हर वर्ष निर्धारित तिथि पर इसका नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधि कारियों को आपदा प्रबंधन तंत्र को अधि क सशक्त बनाने के साथ ही तय समय पर प्रभावितों को सहायता राशि उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सूचना आयुक्त ने कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पुलिस विभाग और नगर निगम के शिकायतों की सुनवाई की

देहरादून(ब्यूरो)। मुख्य सूचना आयुक्त, उत्तराखंड श्रीमती राधा रतूड़ी ने हरिद्वार में चल रही कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पुलिस विभाग और नगर निगम से संबंधित द्वितीय अपीलों और शिकायतों की सुनवाई की तारीखों को स्थगित करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय कांवड़ यात्रा के दौरान इन विभागों के अधि कारियों की व्यस्तता को देखते हुए लिया गया है। मुख्य सूचना आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया है कि हरिद्वार जनपद के ऐसे विभाग, जिनकी ड्यूटी कांवड़ यात्रा में लगी हुई है और जिनकी द्वितीय अपीलों/शिकायतों की सुनवाई इस अवधि में निर्धारित है, वे हाइब्रिड मोड (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या ऑनलाइन माध्यम) के जरिए अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। मुख्य सूचना आयुक्त ने यह भी अपेक्षा की है कि हरिद्वार अथवा हरिद्वार से आने वाले राज्य के अन्य क्षेत्रों के नागरिक और अधिकारी भी कांवड यात्रा के मध्य अधिक से अधिक हाइब्रिड मोड से सुनवाई में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

यदि संबंधित अधिकारी कांवड़ यात्रा में ड्यूटी के कारण हाइब्रिड मोड के माध्यम से भी अपना पक्ष रखने में असमर्थ हैं, तो वे तिथि संशोधन हेतु आयोग के ई.मेल [मउंपस चतवजमबजमक] पर ई-मेल कर सकते हैं। ऐसे मामलों में, आयोग के द्वारा कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद की सुनवाई की नई तारीख निध ारित की जाएगी। इस हेतु संबंधित कोर्ट के स्टाफ के निम्न नम्बर पर भी संपर्क कर सकते हैं ख्र

कोर्ट 1 . मुख्य सूचना आयुक्त श्रीमती राधा रतूड़ी, 9410700474

कोर्ट 2 . राज्य सूचना आयुक्त श्री देवेन्द्र कुमार आर्य, 9410700471

कोर्ट 3 . राज्य सूचना आयुक्त श्री योगेश भट्ट, 9410700343

कोर्ट 4 . राज्य सूचना आयुक्त श्री

दलीप सिंह कुँवर, 9410700544

कोर्ट 5 . राज्य सूचना आयुक्त श्री कुशला नन्द, 9410700352

यह पहल कांवड़ यात्रा की ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों की परेशानी को देखते हुए लिए गया है।

देशभर के 345 राजनीतिक दलों की मान्यता होगी समाप्त, निर्वाचन आयोग ने चेताया

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग देशभर के उन राजनीतिक दलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है, जो 2019 के बाद से किसी भी प्रकार का चुनाव नहीं लड़े हैं। आयोग की प्रारंभिक सूची के अनुसार, ऐसे 345 राजनीतिक दल हैं, जिनका न कोई पार्टी कार्यालय मौजूद है, न ही किसी भी स्तरख्रलोकसभा, विध ानसभा या स्थानीय निकायख्रपर इन्होंने कोई सक्रियता दिखाई है।

इन दलों की निष्क्रियता को देखते हुए आयोग अब इनकी पंजीकृत मान्यता रद्द करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। आयोग का कहना है कि निष्क्रिय

राजनीतिक दल न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करते हैं, बल्कि इनका अस्तित्व फर्जीवाड़े, हवाला लेनदेन और चंदा चोरी जैसे मामलों में भी शक के घेरे में आता है। इन 345 दलों में बिहार के 17 राजनीतिक दल शामिल हैं, जिनमें कुछ के नाम तो आम जनता ने शायद ही कभी सुने हों। आयोग के रडार पर आए बिहार के ये दल भारतीय बैकवर्ड पार्टी, भारतीय सुराज दल, भारतीय युवा पार्टी (डेमोक्रेटिक), भारतीय जनतंत्र सनातन दल, बिहार जनता पार्टी, देशी किसान पार्टी, गांधी प्रकाश पार्टी, हमदर्दी जनरक्षक समाजवादी विकास पार्टी (जनसेवक), क्रांतिकारी साम्यवादी पार्टी, क्रांतिकारी विकास दल, लोक आवाज दल,लोकतांत्रिक समता दल, नेशनल जनता पार्टी (इंडियन), राष्ट्रवादी जन कांग्रेस, राष्ट्रीय सर्वोदय पार्टी, सर्वजन कल्याण लोकतांत्रिक पार्टी, व्यवसायी किसान अल्पसंख्यक मोर्चा भी शामिल हैं।

विस अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण से उत्तराखण्ड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

देहरादून(ब्यूरो)। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण से उत्तराखण्ड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने की भेंट, समस्याओं के समाध ान का मिला भरोसा उत्तराखण्ड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल आज श्रीनगर (श्रीकोट) में चल रही समस्याओं के संदर्भ में माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण से भेंट हेतु पहुँचा।

प्रतिनिधिमंडल ने श्रीनगर में संविदा कर्मियों के समक्ष आ रही विभिन्न व्यावहारिक व प्रशासनिक समस्याओं से माननीय अध्यक्ष को अवगत कराया। श्रमिकों की समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुए श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने तत्काल पेयजल विभाग, उत्तराखण्ड शासन

के सचिव से दूरभाष पर वार्ता की और समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। माननीय अध्यक्ष ने स्पष्ट रूप से कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे हमारे पर्वतीय क्षेत्रों के कर्मठ कर्मचारी किसी भी परिस्थिति में हटाए नहीं जाने चाहिए। उन्होंने विभाग को निर्देशित किया कि सभी संविदा कर्मियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए और किसी भी कर्मचारी की सेवा को प्रभावित न किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने माननीय विधानसभा अध्यक्ष का सहयोग एवं संवेदनशील रुखघ् के लिए आभार प्रकट किया । प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख पदाधिकारी श्री संजय कुमार ख्र प्रांतीय अध्यक्ष, मंगलेश लखेड़ा ख्र प्रांतीय महामंत्री, श्री चन्द्रमोहन खत्री ख्र गढ़वाल मंडल अध्यक्ष, श्री आशीष द्विवेदी ख्र मंडलीय कोषाध्यक्ष, श्री सुरजीत डोबरियाल ख्र प्रांतीय मंत्री, श्री दीपक बड़ोनी ख्र शाखा उपाध्यक्ष, पौड़ी उपस्थित रहे।

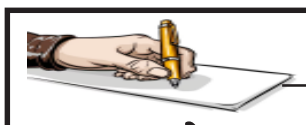

भारत के हथियार से कांपा तुर्की

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्की की सांसें भारत ने फुला दी हैं। तुर्की को पाकिस्तान का समर्थन करना भारी पड़ सकता है। भारत के पास एक ऐसा हथियार है, जिसे तुर्की का दुश्मन ग्रीस लेना चाहता है और भारत ने भी ग्रीस को यह हथियार देने की हामी भर दी है। बस! इसी से तुर्की कांप रहा है। यह वही हथियार है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की नींद हराम कर दी थी। हम बात कर रहे हैं अत्याधुनिक लॉंग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (स्त-स्राब्ड) की। यह वह मिसाइल है, जो अपने लंबी रेंज, सटीक निशाने और राडार से बचने का हुनर जानती है। यह मिसाइल जमीन के बहुत पास से उड़ान भरती है, जिससे यह दुश्मन के रडार पर नहीं आती। स्त-स्राब्ड मिसाइल को भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन डीआरडीओ ने विकसित किया है। मिसाइल की खासियत यह है कि यह जमीन से लांच होने पर 1500 किलोमीटर और नेवी के जहाज से लांच होने पर 1000 किलोमीटर तक जा सकती है। इसकी स्पीड 864 से 1111 किलोमीटर प्रतिघंटा है। मिसाइल की खासियत यह है कि यह सामान्य विस्फोटकों के अलावा परमाणु हथियारों को भी ले जा सकती है। ग्रीस को इसकी रेंज और स्पीड बेहद पसंद आई है, क्योंकि यह मिसाइल तुर्की को ज्यादातर हिस्सों को तबाह कर सकती है। भारत की यह मिसाइल अमरीका की टॉमहॉक और रूस की कैलिबर मिसाइलों की तरह है, जो किसी के राडार में नहीं आती। मिसाइल को जमीन, समुंद्र और हवा से भी लांच किया जा सकता है। हाल ही में भारत ने एथेंस में आयोजित रक्षा प्रदर्शनी में इसे दिखाया था। यहीं से ग्रीस को इसकी खूबियां भा गई थीं। ग्रीक मीडिया पेंटापोस्टग्मार और जियोस्ट्रैटिजिका ने यह दावा किया है भारत ने ग्रीस को इस मिसाइल की पेशकश की है। हाल ही में दोनों देशों में रक्षा सहयोग पर भी चर्चा हुई थी, जिसमें इस मिसाइल सौदे की बात उठी थी। हालांकि ग्रीस और भारत ने इस सौदे की पुष्टि नहीं की है, लेकिन अनौपचारिक पेशकश से तुर्की की चिंता बढ़ गई है।

बढ़ते खतरे में हिमाचली जन-जीवन

खासकर ठेकेदारी प्रथा के चलते डंपिंग कार्य में भारी कोताही बरती जा रही है। बांध प्रबंधन में भी लापरवाही देखने में आई है। कहीं बाढ़ के समय बांध के गेट ही नहीं खुलते हैं और कहीं बाढ़ नियंत्रण के लिए बांध में समय रहते, बाढ़ के पानी को रोकने योग्य जगह ही समय पर पानी छोड़ कर खाली नहीं की जाती।

विकास सूचकांक में प्रगतिशील हिमाचल गत वर्षों से लगातार प्राकृतिक आपदाओं में घिरता जा रहा है। बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। जहां 2018 में बादल फटने की 21 घटनाएं हुईं, तो 19 में 16, 20 में 3, 21 में 30, 22 में 39, 23 में 65 घटनाएं हुईं। 2024 में 57 घटनाएं हुईं। अभी बरसात के आरंभिक चरण में ही 14 से ज्यादा जगह बादल फटा है और 69 लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन चुके हैं। अभी असली बरसात तो शेष है। आगे क्या होगा, यह सोच कर ही दिल दहल जाता है। क्या कारण है कि प्रकृति हिमाचल पर इतनी नाराज है। किन्तु उत्तराखंड का हाल भी अच्छा नहीं है। इसका अर्थ हुआ कि हिमालय में सब जगह ही प्रकृति क्रुद्ध हो चुकी है। बादल फटने की घटना का अर्थ है एक छोटे 20-30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बादलों का सघन होकर एक घंटे में 10 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो जाना। मंडी में दुर्घटना वाले दिन 21 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। इससे भीषण बाढ़ और भूस्खलन की स्थितियां बन गईं। जाहिर है कि ये घटनाएं वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण हो रही हैं। चिंता की बात यह है कि हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि हुई है। इसी कारण लगातार हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं साल दर साल बढ़ती जा रही हैं। उस पर तुर्रा यह कि हिमाचल में ढांचागत विकास और बड़ी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वन भूमियों का भूमि उपयोग बदला गया है। वन संपदा घटी है और तोडफोड़ बढ़ी है। इसके चलते हिमालय की नाजुक धरती भारी बारिश का दबाव न झेल सकने के कारण भूस्खलन का शिकार हो रही है और अभूतपूर्व तबाही का कारण बन रही है। चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा वायु प्रदूषण कर्ता बन गया है, जिससे हरित प्रभाव के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। किन्तु हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि पर्यटन के कारण और अन्य कारणों से भी बढ़ती परिवहन की भीड़ के कारण गाडियों से भी भारी प्रदूषण हो रहा है। पहाड़ों की संकरी घाटियों में प्रदूषित वायु अटक जाती है।

शायद यह भी तापमान बढने का कारक हो सकता है। हिमाचल के बांधों की झीलों में बाधों से बह कर आने वाला मलबा अपने साथ जैविक पदार्थ भी लाता है, जो झीलों के तले में बैठ जाता है। यह जैविक पदार्थ जब बिना ऑक्सीजन के सड़ता है तो मीथेन गैस पैदा करता है। मीथेन कार्बन डाई आक्साइड की तुलना में 28 से 64 गुणा ज्यादा ग्रीन हॉउस प्रभाव पैदा करती है। यह भी औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि का कारण हो सकता है। इस मुद्दे को सघन वैज्ञानिक शोध की जरूरत है। अमेरिकी लेखक पीटर ब्रेविट की पुस्तक 'सेम रिवर ट्विस' में लेखक ने बांध की झीलों से जैविक पदार्थों के आक्सीजन रहित अपघटन से मीथेन गैस पैदा होने की बात की पुष्टि की है, जिसके चलते ही अमेरिका में वर्जिनिया की रेपानहौक नदी पर अम्ब्रे बांध को हटाया गया जिससे मीथेन उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई। नासा के मैथ्यू जॉनसन की 2021 की शोध के अनुसार विश्व में 3 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बांधों की झीलों के नीचे है, जिसमें 10.1 टेराग्राम (10 अरब 10 लाख किलो) मीथेन हर वर्ष पैदा होती है। हालांकि पुराने अनुमान के अनुसार यह मात्रा 70 टेराग्राम है। फोरलेन सडकों के कारण होने वाली तोडफोड़ और बढ़ती सडक कनेक्टिविटी के कारण होने वाले निर्माण कार्यों में पर्वत विशिष्ट तकनीक का अभाव है। खासकर ठेकेदारी प्रथा के चलते डंपिंग कार्य में भारी कोताही बरती जा रही है। बांध प्रबंधन में भी लापरवाही देखने में आई है। कहीं बाढ़ के समय बांध के गेट ही नहीं खुलते हैं और कहीं बाढ़ नियंत्रण के लिए बांध में समय रहते, बाढ़ के पानी को रोकने योग्य जगह ही समय पर पानी छोड़ कर खाली नहीं की जाती, जिससे बाढ़ का पानी रोका नहीं जा सकता और तत्काल अचानक छोडना पड़ता है, जिससे सामान्य से भी ज्यादा बाढ़ आ जाती है। इन सब लापरवाहियों के चलते हिमाचल में जीवन खतरे में घिरता जा रहा है, जिसका प्रभाव पर्यटन पर भी बुरा पड़ेगा।

पर्यटन विकास के लिए ठंडा मौसम, सुंदर पर्वतीय वृक्ष और वनस्पतियों से भरी ढलाने, और पर्याप्त बर्फ जरूरी तत्व हैं। बाकी आवास आदि सुविधाएं तो बाद में आती हैं। पर्यटन का बुनियादी आकर्षण ही समाप्त हो जाएगा तो पंच सितारा सुविधाएं भी पर्यटन को बचा नहीं पाएंगी। इसलिए कुछ तथ्यपूर्ण मान्यताएं हैं जिनको मान कर ही पर्वत विशिष्ट विकास योजनाएं बनाई जा सकती हैं जो प्रकृति मित्र और टिकाऊ विकास लाने वाली होंगी : 1. हिमालय पूरे देश के लिए सदानीरा नदियां देने वाला और जलवायु निर्धारित करने वाला क्षेत्र है। 2. हिमालय नाजुक, अगम्य और हाशिए पर है। 3. इसके वनों और हिमनदों की रक्षा करना देश हित का कार्य है। 4. हिमाचल में पर्यटन जैसे पर्यावरण मित्र विकास को टिकाऊ बनाने के लिए सारे विकास मॉडल को पर्यावरण मित्र बनाना पड़ेगा। 5. तोडफोड़ वाले विकास के विकल्प तलाश करने होंगे। 6. वाहन प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करना होगा। सात, इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन वाहन और रज्जू मार्गों को मुख्यधारा परिवहन व्यवस्था का भाग बनाना होगा। 8. निर्माण कार्यों में गुणवत्ता में समझौता न हो और वृहद निर्माण कार्यों से बचना होगा। 9. बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं उपयुक्त नहीं हैं। उनके विकल्प ढूंढने होंगे। झीलों से मीथेन पैदा होती है।

मजहबी मान्यताओं के ठेकेदारों पर लगाम जरूरी

छात्रों की सेहत और सकारात्मकता से जुड़ी केरल शिक्षा विभाग की जुंबा जैसी पहल बहुत सराहनीय है। ऐसी पहल की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। एक्सरसाइज यानी किसी प्रकार की कसरत सरीखी गतिविधि तनाव बढ़ाने वाले कार्टिसोल जैसे हार्मोन को घटाने में बड़ी मददगार होती है। तनाव बढ़ने पर ही अक्सर बच्चे और किशोर नशाखोरी की गिरफ्त में आ जाते हैं।

ऐसे में संगीत की थाप पर चलने वाली जुंबा जैसी गतिविधि बहुत उपयोगी प्रतीत होती है। यह बच्चों एवं किशोरों को किसी भौतिक सजा के बजाय आनंद की अधिक अनुभूति कराती है। राज्य में बीते दो वर्षों के दौरान नाबालिगों में नशाखोरी से जुड़े मामले बढ़े हैं, उसे देखते हुए एक अनुभव आधारित व्यावहारिक समाधान की आवश्यकता महसूस हो रही है, जिसे हर कक्षा में सहजता से लागू किया जा सके।

हर अच्छी पहल में खलल डालने के लिए कुछ विघ्नसंतोषी सदैव सक्रिय रहते हैं। जुंबा डांस मामले में भी ऐसा ही हुआ और विजडम इस्लामिक आर्गेनाइजेशन नाम की संस्था इसके विरोध में उतर आई। संस्था के महासचिव टीके अशरफ ने जुंबा को डीजे शैली वाला बताते हुए कहा कि इसमें लड़के-लड़कियां 'अधनंगे' होकर नाचते हैं। एक अन्य संगठन-समस्ता से जुड़े मौलवियों ने भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए जुंबा को अश्लील करार दिया। इस चौंकाने वाली आलोचना का सरोकार इस शैली या सार्वजनिक स्वास्थ्य से न होकर 'हया' जैसी इस्लामिक मान्यता से कहीं ज्यादा था।जब ऐसी मजहबी दलीलों का मजाक बनाया जाने लगा तो विरोध करने वालों ने स्वर बदलते हुए इस मामले में 'परामर्श' और 'दीर्घकालिक अध्ययन' की दुहाई देनी शुरू कर दी। यह और कुछ नहीं अपनी मूल मंशा को छिपाने के लिए गोलपोस्ट बदलने जैसा था, जिसमें कथित नैतिक आग्रह जुड़े हुए थे।

यह धारणा मुझे स्वीकार्य नहीं कि पाठ्यक्रम में किसी भी प्रकार के परिवर्तन को लेकर एक निर्वाचित सरकार मजहबी मान्यताओं के ठेकेदारों की अनुमति पर निर्भर होकर रह जाए। इससे पंथनिरपेक्षता की पूरी संकल्पना ही विकृत हो जाएगी।

इससे न केवल धार्मिक-मजहबी मामलों से राज्य को दूर रखने के सिद्धांत को ठेस पहुंचेगी, बल्कि वह नीति भी वैधता प्राप्त करती जाएगी कि जब तक मजहबी ठेकेदार हरी झंडी नहीं दिखाएंगे, तब तक कोई नीति सिरे नहीं चढ़ पाएगी। किसी हिंदू, ईसाई या पंथनिरपेक्ष सांस्कृतिक संगठन ने जुंबा का विरोध नहीं किया। आम तौर पर कट्टर समझे जाने वाले मुस्लिम संगठन ने ही ऐसा किया। धार्मिक-मजहबी प्रविधान निजी संस्थाओं के दायरे में तो स्वीकार्य हो सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक स्कूलों में उन्हें चीजों को निर्धारित करने की निर्णायक शक्ति नहीं दी जा सकती।

यह आरोप भी गले नहीं उतरता कि जुंबा की लैटिन अमेरिकी जड़ें 'सांस्कृतिक आक्रमण' करती हैं। देखा जाए तो केरल में इस्लाम का आगमन ही समुद्री मार्ग से हुआ। जिन्हें फिटनेस से जुड़ी एक विदेशी पद्धति अपनाने में खोट दिखता है, उन्हें आयातित मजहब, स्मार्टफोन और खाड़ी से आने वाले चेक स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं दिखता। यह भी गजब की बौद्धिक कलाबाजी है। यदि वाकई में बच्चों के समग्र हितों को प्राथमिकता देनी है तो रूढ़िवादी समूहों को तत्काल साफ-सफाई शुरू करनी होगी।

केरल की मस्जिदों में 'मी टू' यानी यौन शोषण के मामले चर्चित हुए हैं। हज और उमरा के दौरान भी ऐसे आरोप सुनाई पड़े। केरल की अदालतों ने मदरसा शिक्षकों को यौन शोषण के मामलों में सजा भी सुनाई है। इसके बावजूद एक फिटनेस गतिविधि का विरोध किया जा रहा है और मजहबी स्थलों में हो रहे अपराधों पर चुप्पी साधी जा रही है। यह नैतिक उलटबांसी को ही उजागर करता है।जुंबा को लेकर वाम नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। मंत्रियों ने दो-टूक कहा कि बाहरी तत्व नीतियों को निर्धारित नहीं कर सकते। जुंबा आलोचकों को आड़े हाथों लेकर यह भी कहते हुए सुना गया कि तालिबानी मानसिकता वाले लोग उस राज्य में अपनी पैठ मजबूत करना चाहते हैं, जो अपनी उच्च साक्षरता एवं सामाजिक सूचकांकों पर गर्व करता है। यह भाषा भले ही थोड़ी तीखी हो, लेकिन तुलना उपयुक्त है। तिलमिलाए आलोचक अब विशेष रूप से नशे से दूर रखने में जुंबा की उपयोगिता साबित करने वाले अध्ययनों पर जोर दे रहे हैं।यह सही है कि इससे संबंधित व्यापक अनुभव एवं आंकड़े उपयोगी होंगे, लेकिन नीतियों को लागू करने का मामला किसी की मनमानी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। तमाम वैज्ञानिक साक्ष्य यही पुष्ट करते हैं कि नियमित एरोबिक एक्सरसाइज व्यक्ति को अच्छा महसूस कराने में कारगर साबित होती है।

हरियाणा और पंजाब सरकारों के साथ वायु प्रदूषण शमन उपायों पर समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में समन्वित कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एक ठोस प्रयास के अंतर्गत चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों के साथ दो महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकें कीं। इस अवसर पर आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थिति रहे। इन समीक्षा बैठकों का उद्देश्य उक्त दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना है।

हरियाणा राज्य सरकार के साथ बैठक के दौरान, अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार 2025 में धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट भट्ठों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें 2025-26 के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत बायोमास को-फायरिंग लक्ष्य के संबंध में की गई प्रगति की समीक्षा भी शामिल है। समीक्षा किए गए अन्य मुद्दों में सड़क धूल शमन रणनीतियां, विशेष रूप से राज्य सरकार द्वारा चिन्हित सड़कों के पुनर्विकास के लिए तैयार की गई कार्य योजना की समीक्षा और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए आयोग द्वारा जारी विभिन्न निर्देश शामिल थे।

समीक्षा बैठकों के अलावा, आयोग की टीम ने 4 जुलाई 2025 को पंजाब और हरियाणा राज्यों में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा भी किया, जिसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। इससे धान की पराली के बाहरी प्रबंधन को मजबूत बनाने में दोनों राज्यों द्वारा की गई तकनीकी और परिचालन प्रगति के बारे में मूलभूत जानकारी प्राप्त की गई।

आयोग ने समन्वय बढ़ाने, कार्य योजनाओं के लक्षित क्रियान्वयन और आयोग द्वारा जारी वैधानिक निर्देशों के सख्त क्रियान्वयन के महत्व को दोहराया। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दर्शाने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लिखी चिट्ठी, कहा- पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से तुरंत खाली कराएं बंगला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पत्र में लिखा गया है कि बिना किसी देरी के डॉक्टर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से बंगला नंबर पांच खाली कराया जाए। उन्हें इस बंगले में रहने की अनुमति का विस्तारित समय सीमा 21 मई 2025 को खत्म हो चुकी है। इसके अलावा 2022 नियमों के नियम 3क्रके तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के एक अधिकारी द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अरबन अफेयर्स सचिव को भेजे गए इस पत्र को हिन्दुस्तान टाइम्स ने देखा है। जानकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बंगला खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इसके मुताबिक पूर्व सीजेआई रिटायर होने के बाद भी इस बंगले में रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पत्र में लिखा है कि उन्हें जितने समय के लिए अनुमति दी गई थी, वह समय सीमा पूरी हो चुकी है। साथ ही पत्र में बंगला खाली कराके इसे कोर्ट के हाउसिंग पूल को लौटाने की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह पत्र एक जुलाई को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजा है। इसमें केंद्र सरकार से मांग की गई है कि लुटियंस दिल्ली के कृष्ण मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर पांच तत्काल खाली कराया जाए। यह बंगला आधिकारिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग सीजेआई का आवास है। गौरतलब है कि जस्टिस चंद्रचूड़ नवंबर 2022 से नवंबर 2024 तक देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे। कार्यकाल खत्म होने के करीब आठ महीने बाद भी वह बंगले में रह रहे हैं। वहीं, उनके बाद मुख्य न्यायाधीश बने, जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा सीजेआई जस्टिस भूषण आर गवई सीजेआई के आधिकारिक निवास में गए ही नहीं। इन दोनों ने अपने पूर्व आवंटित बंगले में ही रहना जारी रखा।

तलाशी के दौरान मिला आतंकियों का अड्डा, भारी मात्रा में मिला हथियारों का जखीरा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी का ठिकाना मिला है। जहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एक असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की गईं। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्की की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र के खिलाफ एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके सहायक ढांचे को ध्वस्त करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने एक आवासीय संपत्ति को कुर्क कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है। खानयार इलाके के शालबाग के मीर मस्जिद मोहल्ला में स्थित यह संपत्ति मोहम्मद यूसुफ शाह के नाम पर पंजीकृत है। वर्तमान में यह उनके बेटे मसूद हुसैन शाह के कब्जे में है।

11 के खिलाफ आरोप पत्र दायर

इस बीच, जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी ने मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में पाकिस्तान स्थित हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन समेत 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एसआईए, जम्मू ने सबसे पहले 2022 में मामला दर्ज किया था। इसने जांच में आतंकवादी सहयोगियों व एक ऐसे सुव्यवस्थित नेटवर्क का पता लगाया था, जो मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में मदद कर प्रतिबंधित संगठन का सहयोग कर रहा था। मध्य कश्मीर के बडगाम के सिबुग गांव के निवासी सलाहुद्दीन के अलावा बडगाम के खान साहिब इलाके का एक अन्य हिजबुल आतंकवादी बशारत अहमद भट का नाम भी आरोप पत्र में शामिल है।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश सरकार का ऐतिहासिक कदम

राज्य में 80 और चलेंगी पिंक बसें, चालक-कंडक्टर भी महिलाएं ही होंगी

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को को लेकर बड़ा फैसला लिया है। परिवहन विभाग ने राज्यभर में 80 नई पिंक बसें चलाने की योजना बनाई है। यह सिर्फ महिलाओं के लिए होंगी, जिसे सितंबर 2025 तक सभी जिला मुख्यालयों में चलाया जाएगा। मई 2025 में 20 सीएनजी पिंक बसें पटना, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्णिया और दरभंगा में शुरू की गई थीं। इनकी सफलता के बाद अब सरकार ने 80 नई बसें और चलाने का फैसला लिया है।

बता दें 35 बसें पटना में, शेष 45 बसें अन्य प्रमुख जिलों में चलाई जाएंगी। पिंक बसों को पूरी तरह महिला यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें कई आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें जीपीएस लगाया गया है जिससे बसों की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। पैनिक बटन भी लगा है जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अलर्ट करेगा। पूरे बस में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सेनेटरी पैड और मेडिकल किट महिलाओं की हेल्थ जरूरतों के लिए लगाया गया है। मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आरामदायक सीटें हैं और किराया 6 से 25 तक रखा है। छात्राओं के लिए 400 रुपए में मासिक पास बनाया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए 550 में पास बनेगा।

इस पहल को पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। 500 महिला चालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कंडक्टर, चालक और नोडल अधिकारी सभी महिलाएं होंगी। पटना में 16, गया और भागलपुर में 4-4 महिला कंडक्टर पहले ही तैनात की जा चुकी हैं।

नोडल अधिकारी ने इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। बिहार सरकार की यह पहल महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक नायाब प्रयास है। जहां एक तरफ यह कदम यातायात में सुरक्षा और सुविधा तय करता है, वहीं दूसरी ओर यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है।

हिमाचल में आपदा: यह वक्त राजनीति का नहीं, राहत पहुंचाने का: सीएम सुक्खू

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश इन दिनों भारी बारिश से तबाही मची है। बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ से राज्य में अब तक 69 मौतें, 37 लापता लोगों और 700 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान हुआ है। इस बीच प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ आया, जब मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर के बीच कथित बयानबाज़ी बीजेपी के लिए सिरदर्द बन गई है।

सीएम सुक्खू ने बताया कि उन्होंने राज्य में अपदा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से बात की है और केंद्र सरकार ने हरसंभव मदद देने का वादा किया है। राज्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह राजनीति का नहीं, राहत का वक्त है। हिमाचल की आपदा जहां प्राकृतिक संकट बनी हुई है, वहीं राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी तेज हो गया है। कंगना रनौत और जयराम ठाकुर के बीच सार्वजनिक तौर पर सामने आए मतभेद भाजपा की आंतरिक असहजता को उजागर कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पत्रकारों ने जब जयराम ठाकुर से पूछा कि कंगना रनौत आपदा के समय क्यों चुप हैं, तो उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो किसी की परवाह नहीं करते। हम यहां उन लोगों के लिए हैं जो परवाह करते हैं। जयराम ठाकुर के बयान पर कंगना ने एक्स पर जवाब देते हुए कहा कि उन्हें ठाकुर ने ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने से रोका था, क्योंकि सड़कें टूटी हैं और संपर्क पूरी तरह बाधित है।

कंगन ने लिखा- मैंने सेराज व अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने की कोशिश की, लेकिन वहां सड़क संपर्क टूट चुका है। जयराम जी ने सलाह दी है कि जब तक रास्ते ठीक नहीं हो जाते, जाना उचित नहीं। वहीं कांग्रेस ने कंगना के ट्वीट और बीजेपी नेताओं के विरोधाभासी बयानों को लेकर बीजेपी की आपसी तालमेल की कमी और दोहरे रवैये पर सवाल खड़े किए हैं।

राज और उद्धव पर भड़के फडणवीस- शिंदे बोले ये सिर्फ सत्ता की लालसा के अलाव कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा और महायुति गठबंधन के नेताओं ने इसे सियासी मजबूरी और भाईचारे की नौटंकी करार दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के भाषण पर कटाक्ष करते हुए कहा, राज ने जहां मराठी भाषा के प्रति संवेदनशीलता दिखाई, वहीं उद्धव का पूरा भाषण ईर्ष्या, कटुता और सत्ता की लालसा से भरा था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज ठाकरे पर व्यंग्य करते हुए कहा, अगर मैंने ठाकरे भाइयों को मिला दिया तो शायद बालासाहेब की भी मुझ पर कृपा है। उन्होंने रैली को ÷रुदाली कार्यक्रम÷ बताया और कहा कि मराठी का नाम लेकर सत्ता की राजनीति की जा रही है। फडणवीस ने यह भी पूछा, 25 साल मुंबई नगर निगम आपके पास थी, आपने मराठी के लिए कौन सा कार्य किया? वहीं शिंदे ने कहा कि यह रैली मराठी मानुष की आवाज बनने के बजाय, सत्ता प्राप्ति की व्यक्तिगत कोशिश बन गई। उन्होंने उद्धव पर 2019 में भाजपा से नाता तोड़कर मराठी अस्मिता और बालासाहेब की विचारधारा के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

राज्य मंत्री आशीष शेलार ने तो इसे भाई-भाई के मेल की रैली बताते हुए कहा, यह मराठी भाषा के प्रेम के लिए नहीं, बल्कि शिवसेना (यूबीटी) की सियासी जमीन बचाने का प्रयास था। वहीं, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने भी सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, मराठी से प्रेम होना ठीक है, लेकिन हिंदी-विरोधी भावना गलत है। मारपीट और धमकी देकर कोई भाषा नहीं सिखाई जा सकती। शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस की यह एकजुटता बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखी जा रही है। उद्धव की पार्टी जहां लोकसभा में पिछड़ती दिखी, वहीं एमएनएस हालिया विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई। यह मंच साझा करना न केवल बालासाहेब ठाकरे की विरासत को फिर से एकजुट करने की कोशिश है, बल्कि मराठी मतदाताओं के बीच भाजपा के खिलाफ एक भावनात्मक और सांस्कृतिक मोर्चा खड़ा करने की रणनीति भी लगती है।

भारत /इंग्लैंड दूसरे टेस्टः आकाश दीप का कहर, भारत जीत से चार विकेट दूर

बर्मिंघम (एजेंसी)। आकाश दीप (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन रविवार को भोजनकाल तक इंग्लैंड के 153 पर छह विकेट झटककर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

भारत को लंच से ठीक पहले वाशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स का विकेट दिलाया, जो भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इस सेशन की शुरुआत में पहले आकाश दीप ने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए दो विकेट निकाले। लेकिन उसके बाद स्टोक्स और स्मिथ के बीच 70 रनों की अच्छी साझेदारी हुई लेकिन लंच से ठीक पहले स्टोक्स आउट हो गए। अब इंग्लैंड पूरी तरह से इस मैच को ड्रॉ कराने का प्रयास करेगा लेकिन भारत जीत के काफ़ी क़रीब दिख रहा है।

इंग्लैंड ने कल के तीन विकेट पर 72 रन से आगे खेला शुरु किया। इंग्लैंड ने महज आठ रन जोड़कर अपना चौथा विकेट ऑली पोप (24) के रूप में गंवा दिया। ऑली पोप को आकाश दीप ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद आकाश दीप ने 22वें ओवर में हैरी ब्रूक (23) को पगबाधा कर भारत को पांचवी सफलता दिलाई। भारत को छठी सफलता वॉशिंगटन सुंदर ने कप्तान बेन स्टोक्स (33) को पगबाधा आउट कर दिलाई। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने छह विकेट पर 153 रन बना लिये है और जेमी स्मिथ (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद है। इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए जहां 455 रनों की दरकार है। वहीं भारत को चार विकेट चटकाने होंगे।

भारत की ओर से आकाश दीप ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे। भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 427 के स्कोर पर घोषित कर दी थी।

इस खिलाड़ी से मिली प्रेरणा, वैभव सूर्यवंशी बोले- अगले मैच में 200 बनाने की कोशिश करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं। सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा एकदिवसीय मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे।' गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा।' सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।'

इंडिया हाउस में भारतीय महिला टीम हुआ सम्मान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यहां के इंडिया हाउस में एक भव्य समारोह में सम्मान किया गया। इस समारोह में कप्तान हरमनप्रीत कौर और टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार सहित सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर दोरईस्वामी ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, 'खिलाड़ियों ने जिस प्रकार से यहां जीत दर्ज की है। उससे देश में खेलों के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आयेगा और युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी।'

उन्होंने कहा, 'आज ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जिसके बारे में भारत की युवा महिलाएं सोचती हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकती हैं, क्योंकि आप और क्रिकेट खिलाड़ियों की एक पुरानी पीढ़ी ने ऐसा किया है। आपके पास जादू है और आप मैदान पर जहां भी खेलती हैं, इसे हमारे साथ साझा करती हैं, जिसके लिए हम बहुत-बहुत आभारी हैं।' दोरईस्वामी ने कहा, 'जब आप हमारी क्रिकेट टीम, हमारी हॉकी टीम या हमारी किसी भी खेल की टीम को देखेंगे तो पाएंगे कि यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व करती हैं।' उन्होंने कहा, 'ये केवल हमारी बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं हैं, बल्कि ये वो लड़कियां हैं जो हर शहर और हर प्रांत से निकल भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंची हैं।'

सुनील गावस्कर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं शुभमन गिल, 1971 से कामय है वर्चस्व

नई दिल्ली । मौजूदा भारतीय कप्तान शुभमन गिल पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में 774 रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं । गावस्कर ने 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में 774 रन बनाये थे और उनका वो रिकॉर्ड आज तक कायम है । कोई भी भारतीय इस रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया है । दूसरे नंबर पर भी गावस्कर ही हैं जिन्होंने 1978-79 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में छह मैचों में 732 रन बनाए थे । तीसरे नंबर पर मौजूदा ओपनर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंने 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में पांच मैचों में 712 रन बनाए थे । रन मशीन विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014-15 की सीरीज में चार मैचों में 692 रन बनाए थे । गिल ने एजबस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 430 रन बनाए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं, पहले नंबर पर ग्राहम गूच हैं जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ 456 रन बनाए थे । गिल ने इस इंग्लैंड दौरे पर पहले दो टेस्ट में 585 रन बनाए हैं, जो सीरीज के पहले दो टेस्ट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं । पहले नंबर पर ग्रीम स्मिथ हैं जिन्होंने 2003 में इंग्लैंड में 621 रन बनाए थे । गिल अब बतौर कप्तान पहले दो टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उन्होंने कोहली के 449 रनों को पछाड़ा । गिल दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो बार टेस्ट में 150 से अधिक रन बनाए हैं, उनसे पहले ऐसा 1980 में एलेन बॉर्डर ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में नाबाद 150 और 153 रन बनाकर किया था ।

टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन बनाने वाली पांचवी टीम बनी टीम इंडिया

बर्मिंघम । शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कुल 1000 रन बनाकर एक नया रिकार्ड बनाया है । टीम इंडिया इसी के साथ ही एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाने वाली दुनिया की 5वीं टीम बन गई है । पहले टेस्ट में जहां भारतीय टीम की ओर से पांच शतक लगे थे और उसने पांच सौ से अधिक रन बनाये थे। वहीं वहीं एजबेस्टन में जारी दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों को कुल मिलाकर भारतीय टीम ने 1000 रन बनाये हैं । भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब एक मैच में ही टीम ने 1000 से अधिक रन बनाये हैं । इससे पहले भारतीय टीम ने सिडनी में साल 2004 में एक मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 916 रन बनाए थे । वहीं एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है । इंग्लैंड ने साल 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल 1121 रन बनाए थे । गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व क्रिकेट में एकमात्र ऐसी टीम है जिसने दो बार एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने साल 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 1028 रन बनाए थे, वहीं 1969 में उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1013 रन बनाये थे। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ साल 2006 में एक मैच में कुल 1078 रन बनाए थे, वहीं दक्षिण अफ्रीका ने साल 1939 में इंग्लैंड के खिलाफ 1011 रन बनाये थे।

सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ - कार्लसन नें फिर दिखाया अपना दम , गुकेश जीत को तरसे

जागरेब , क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व शतरंज चैम्पियन डी गुकेश के लिए ग्रांड चैस टूर के सुपरयूनाइटेड रैपिड में एकतरफा जीत के बाद भी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट ब्लिट्ज़ का रास्ता आसान नहीं माना जा रहा था और हुआ भी कुछ ऐसा ही,कल खेले गए सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ शतरंज के पहले दिन एक और जहां गुकेश जीत को भी तरस गए वहीं विश्व के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए अपराजित रहते हुए एकल बढ़त कायम कर ली है । गुकेश जो रैपिड में सिर्फ एक बार हारे थे ब्लिट्ज़ में कई अच्छी बाज़ियाँ समय की कमी के चलते हारते चले गए और उन्होने एकमात्र जीत फबियानों करूआना के खिलाफ दर्ज की और एक ड्रॉ नीदरलैंड के अनीश गिरि के खिलाफ खेला वहीं मैगनस कार्लसन नें गुकेश को इस बार पराजित करते हुए रैपिड में अपनी हार का हिसाब बराबर कर दिया ।

ब्लिट्ज़ का पहला दिन कार्लसन के नाम रहा और उन्होने छह जीत और 3 ड्रॉ के साथ 7.5 अंक बनाए और रैपिड और ब्लिट्ज़ दोनों को मिलाकर कुल 17.5 अंको के साथ पहले स्थान पर पहुँच गए । गुकेश दूसरे दिन अपने रैपिड के 14 अंको में 1.5 जोड़ पाये और 15.5 अंको के साथ वह तीसरे स्थान पर है जबकि रैपिड में 11 अंको के साथ दूसरे स्थान में रहने वाले डुडा 5 अंक जोड़ते हुए कुल 16 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गए है । भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें ब्लिट्ज़ के पहले दिन कोशिश तो की पर वह 4.5 अंक जोड़ते हुए कुल 13.5 अंको के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गए है ।

ग्रांड चैस टूर के आखिरी और पांचवें दिन अंतिम 9 ब्लिट्ज़ मुकाबले खेले जाएँगे और कुल 9 अंक दांव पर होंगे देखना होगा की क्या गुकेश अंतिम दिन वापसी करेंगे या फिर कार्लसन एक बार फिर यह खिताब अपने नाम कर लेंगे ।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को लगा बड़ा झटका, विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की वनडे रैंकिंग में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता स्थानों से खिसक गई है जिससे मार्की टूर्नामेंट से एक बार फिर बाहर होने का जोखिम है। नई रैंकिंग श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में बांग्लादेश की जीत के बाद आई है, जहां उन्होंने कोलंबो में ताइजुल इस्लाम के शानदार पांच विकेट की बदौलत 248 रनों का बचाव किया जिससे तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई। विजडन के अनुसार इस जीत ने बांग्लादेश को पुरुषों की वनडे टीम रैंकिंग में एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंचा दिया।

हालांकि विश्व कप योग्यता के लिए कटऑफ तिथि से पहले विंडीज आवश्यक रैंकिंग में वापस आ सकता है। वेस्टइंडीज अब 10वें स्थान पर खिसक गया है और 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता स्थानों से बाहर है। टूर्नामेंट के 2027 संस्करण में 14 टीमें भाग लेंगी, जिसमें से दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे स्वतः ही मेजबान के रूप में क्वालीफाई कर लेंगे। तीसरे मेजबान नामीबिया को वही विशेषाधिकार नहीं मिलेगा क्योंकि वे टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पूर्णकालिक आईसीसी सदस्य नहीं हैं।

शीर्ष आठ टीमें (मेजबान को छोड़कर) 31 मार्च 2027 को अपनी वनडे रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करेंगी। शेष चार स्थानों का निर्धारण 10 टीमों के क्वालीफायर टूर्नामेंट द्वारा किया जाएगा। वेस्टइंडीज क्वालीफायर खेलने से बचने का लक्ष्य रखेंगे, क्योंकि उन्होंने 2023 संस्करण के लिए भी ऐसा ही किया था और 1975 में अपनी स्थापना के बाद से अपना पहला विश्व कप गंवा दिया था। वह दो प्रतिष्ठित स्थानों के लिए नीदरलैंड और श्रीलंका से हार गए थे। नई दृष्टि ह्लद्ध रैंकिंग में श्रीलंका अपनी हार के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गया। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया और तीसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड दोनों के 109 रेटिंग अंक हैं।

'प्लांटेशन डे' पर प्रसाद कुंवर पब्लिक स्कूल दुद्धी में पेंटिंग कला प्रदर्शन के बीच रोपे गए पौधे

संवाददाता

सोनभद्र। दुद्धी सोनभद्र विकासखंड अंतर्गत सन 1950 में भारत द्वारा प्रारंभ इप्लांटेशन डेइ जिसे वृक्षारोपण दिवस भी कहा जाता है जो जुलाई के प्रथम सप्ताह में मनाया जाता हैं के अवसर पर प्रसाद कुंवर पब्लिक स्कूल दुद्धी में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रेरक मनमोहक पेंटिंग कला का प्रदर्शन कर विद्यालय के पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पेंटिंग कला का नगर पंचायत दुद्धी चेयरमैन कमलेश मोहन, विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर लवकुश प्रजापति , नगर पंचायत स्वच्छता मिशन ब्रांड एंबेसडर जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी ने बारी-बारी से पेंटिंग कला कों देखा और मुक्त कंठ से प्रशंसा की। शिक्षार्थियों द्वारा वृक्षों की अंधाधुंध कटान व जल संरक्षण, ध्वनि, वायु प्रदूषण पर आधारित शानदार मनमोहक पेंटिंग कला का प्रदर्शन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि नगर पंचायत चेयरमैन कमलेश मोहन ने अपने संबोधन में कहा कि नगर पंचायत द्वारा नंदन उपवन में हजारों पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का कार्य किया गया आप सब भी पेड़ पौधे से मिलने वाले जीवन उपयोगी ऑक्सीजन के संरक्षण के लिए जंगलों की रक्षा व पौधा रोपण कर जीवन कों बचाने में मदद करें। विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर लवकुश प्रजापति ने शानदार पेंटिंग कला प्रदर्शनी की सराहना करते हुए जीवन में पर्यावरण के महत्व को समझाते हुए स्वयं द्वारा कई बीघे में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का कार्य किया जिसके परिणाम स्वरूप आज हजारों पौधे वृक्ष के रूप में खडे हैं हमसभी कों भी पौधारोपण करना चाहिए।नगर पंचायत स्वच्छता मिशन ब्रांड एंबेसडर जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी ने वृक्षारोपण दिवस पर विद्यालय द्वारा प्रथम आयोजन पर सराहनीय पेंटिंग कला व छायादार एवं फलदार पौधारोपण का आयोजक की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए प्रत्येक छात्र-छात्राओं को अपने घर के आस पास व अपने व सार्वजनिक सुरक्षित स्थानों पर पौधा रोपण करने का अपील किया। कहीं सूखा, कहीं अकाल,कहीं घटना जलस्तर, कहीं बाढ़,तो कहीं ग्लोबल वार्मिंग से टूटते ग्लेशियर आदि के बारे में प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण का जीवन में संकल्पित होकर उतारने का आह्वान किया। विद्यालय परिसर में मुख्य अतिथि चेयरमैन,विद्यालय के प्रबंधक,स्वच्छता मिशन ब्रांड एंबेसडर आदि द्वारा विद्यालय परिसर में छायादार एवं फलदार पौधारोपण किया गया।आगंतुक अतिथियों का आभार वन्दन विद्यालय के प्रिंसिपल रेशमा शुब्बा द्वारा किया गया। इस मौके पर अशोक कुमार कनौजिया, मुहम्मद जावेद, अभिषेक कुमार, सुप्रिया पांडेय, यशस्वी कपूर,बलवंत यादव, सुप्रिया गुप्ता, सेबेस्टिन शुब्बा, सुशांत क्षेत्री, रिचा गुरुंग, तरन्नुम खान,मोनिका अध्यापक परिवार सहित हेमंत कुमार सैकड़ो शिक्षार्थी मौके पर मौजूद रहे।

बौद्ध धर्मगुरु परम पूज्य दलाई लामा की 90वीं जयंती मनाई गई

संवाददाता

कुशीनगर। बौद्ध धर्मगुरु परम पूज्य दलाई लामा की 90 वीं जयंती पर बुद्ध स्थली स्थित तिब्बती मंदिर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। रविवार की सुबह भिक्षु संघ कुशीनगर द्वारा मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध वंदना के साथ पूजन अर्चन कर चीवर चढ़ाया गया और बौद्ध धर्मगुरु के सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। इसके पश्चात तिब्बती मंदिर में आयोजित विशेष पूजन में मुख्य अतिथि कुशीनगर के पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी शामिल हुए। तिब्बती मंदिर के प्रमुख भंते कंचुक लामा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। भिक्षु संघ कुशीनगर के अध्यक्ष एबी ज्ञानेश्वर, भंते डॉ नन्द रतन महा थेरो, भिक्षु महेंद्र, थाई भंते पी पवीन, भिक्षु अशोक, भिक्षु विमल कीर्ति, भिक्षु विनय कीर्ति, भिक्षु यशपाल, भिक्षु उपाली, भंते बोधयांग गौतम आदि भिक्षुओं सहित सभासद केशव सिंह, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, मुखलाल सिंह, मनोज प्रजापति, अजय सिंह, बिट्टू, चंद्र प्रकाश शर्मा उर्फ भोलू, मोहित बर्द्धन, अभिषेक गोंड आदि ने बधाई दी और केक काटकर उनके दीर्घायु जीवन की कामना की।

ग्राम पंचायत कुड़वा में प्रधानमंत्री आवास की आश में निराश्रित महिला की मौत

नहीं हो रही है कोई सुनवाई, क्षुब्ध लोगों ने किया जोरदार प्रदर्शन

कोन /सोनभद्र। नव सृजित विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत कुड़वा में वर्ष 22-23 प्रधानमंत्री आवास में जमकर धाँधली करने का मामला प्रकाश में आया था।जिसके क्रम में ग्राम पंचायत कुड़वा निवासिनी इसरावती देवी पति स्व. अरुण निराश्रित महिला का वर्ष 22-23 में प्रधानमंत्री आवास मिला था जिसे ग्राम पंचायत सदस्य/ जन प्रतिनिधि व संबंधित लोगों के द्वारा सरकारी धन का बंदरबाँट कर लिया गया। जिसके संबंध में लाभार्थी द्वारा पूर्व में खंड विकास कार्यालय कोन व थाना कोन को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग किया था और वहीं मुख्यमंत्री के शिकायत प्रकोष्ठ नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराया है। जिसके क्रम में पूर्व में इसरावती देवी की अगुवाई में प्रधानमंत्री आवास घोटाले के क्रम में कुड़वा में जोरदार प्रदर्शन करते हुए संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करते हुए तत्काल आवास की धनराशि दिलाने की मांग की गई थी । मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास की आस लगाये बैठी महिला कारर्रवाई होता न देख एक सप्ताह पूर्व इशरावति की हृदयगति रुकने से मौत हो गई। जिसके क्रम में आज तड़के मृतक महिला की पुत्री आरती कुमारी के नेतृत्व में प्रधानमन्त्री आवास की मांग व दोषी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया । जिसके क्रम में मृतक की अनाथ बच्ची आरती गोंड. ने वार्ड सदस्य के ऊपर आरोप लगाते हुए कही कि मेरी माँ इशरावती देवी के नाम वर्ष 22-23 में प्रधानमंत्री आवास आया था जो अब नहीं रहीं। जिसे वार्ड सदस्य व अन्य लोगों की मिली भगत से अलग अलग बैंकों से धोखाधड़ी कर धन निकाल लिया गया । जिसके क्रम में मेरी माँ द्वारा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी समेत कई अधिकारियों को पत्र भेजकर अवगत कराया किन्तु आज तक आवास का लाभ नहीं मिल सका और वहीं पुनः जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग किया है। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से निर्मला देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य, पार्वती, राजमति , विपती , देवराज, दयाशंकर, जितेन्द्र आदि रहे।अब देखना दिलचस्प होगा कि देश के प्रधान मंत्री व प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया वादा हर गरीब का होगा अपना छत कितना कारगर होगा। हृदय विदारक घटना के बाद क्या उक्त गरीब आदिवासी दलित/ स्व. निराश्रित महिला के अनाथ बच्चों को आवास की धनराशि या आवास मिल पायेगा या सरकारी फाईलों में दबकर रह जायेगा यह तो भविष्य के गर्भ में जरूर छिपा है।

सावन मेला के दृष्टिगत डीएम और एसपी ने किया शिवद्वार मंदिर का औचक निरीक्षण

संवाददाता

घोरावल/सोनभद्र। स्थानीय तहसील में स्थित अति लोकप्रिय मंदिर शिवद्वार धाम पर आगामी सावन मेला 2025 के दृष्टिगत डीएम और एसपी सोनभद्र ने शिवद्वार मंदिर का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए विकास खंड,विद्युत विभाग,जल विभाग,स्वास्थ्य विभाग, पीडब्ल्यूडी,जिलापंचायत राज विभाग,पुलिस विभाग, राजस्व एवं आपदा विभाग आदि संबंधित विभागों को मेले को सकुशल संपन्न कराने हेतु आदेशित किए मंदिर मुख्य प्रधान पुजारी सुबास गिरी ने सभी अधिकारीगण का स्वागत किए शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा समस्त अधिकारीगण के साथ आगामी श्रावण मेला के तैयारियों को लेकर स्थलीय निरीक्षण करवाया गया जिलाधिकारी बीएन सिंह द्वारा प्राथमिक विद्यालय सत्तद्वारी एवं प्राचीन कोर्ट शिवद्वार के पास यात्रियों के रुकने एवं ठहरने के लिए यात्री निवास सेट लगाने का दिशा निर्देश दिए मेले व्यवस्था एसपी अशोक मीणा द्वारा सभी बैरियर प्वाइंट एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किए शिवद्वार मन्दिर मेला भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी बीएन सिंह,एसपी अशोक मीणा,सीएमओ सोनभद्र अवनीश कुमार उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार यादव,क्षेत्राधिकारी पुलिस राहुल पांडेय, एसएचओ रामस्वरूप वर्मा, एडीओ पंचायत रामचरण,मुख्य पुजारी सुबास गिरी, सूर्यकांत दुबे,राघवेंद्र,शिवम,मोहित गिरी शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति से अध्यक्ष रविंद्र कुमार मिश्र,सियाराम यादव प्रधान सत्तद्वारी,कृष्णकांत दुबे प्रधान बैजनाथ पदाधिकारी एवं सदस्यगण समेत आदि लोग उपस्थित रहे।

नौ जुलाई के राष्ट्रीय आम हड़ताल का भाकपा करेगी पुरजोर तरीके से समर्थन

संवाददाता

चोपन,सोनभद्र। रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की जून माह में हुए 15 वें जिला सम्मेलन में चुनें गए नए कौंसिल सदस्यों की पहली बैठक पार्टी के जिला क्षेत्रीय कार्यालय पटवध पर पार्टी के सीनियर व मजदूर नेता कामरेड राजेन्द्र प्रसाद जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। भाकपा जिला कौंसिल की बैठक में अध्यक्षता करते हुए कामरेड राजेन्द्र प्रसाद ने नव निर्वाचित कौंसिल सदस्यों को बधाई दी और नई कौंसिल को पार्टी के जनाधार व उसके मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई और ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कौंसिल ने गर्मजोशी से स्वागत किया जिस फैसले में न्यायालय ने दिव्यांग जनों, पूर्व सैनिकों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को भी आरक्षण के दायरे में लाने की घोषणा की है। विदित हो कि एक महत्वपूर्ण कदम के तहत माननीय मुख्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट के गैर - न्यायिक कर्मचारियों की नियुक्तियों में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए रोस्टर प्रणाली लागू करने की प्रक्रिया शुरू की है। भाकपा जिला कौंसिल माननीय मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई द्वारा भर्ती नियमों में संशोधन कर इस लंबे समय से लंबित सुधार की शुरूआत करने की पहल की सराहना की है। भाकपा की बैठक में 9 जुलाई के राष्ट्रीय आम हड़ताल को भी सफल बनाने का निर्णय लिया गया है। पार्टी द्वारा जारी किए गए विज्ञप्ति में कहा गया है कि 9 जुलाई 2025 को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर राष्ट्रीय आम हड़ताल का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कौंसिल - सोनभद्र ! पूर्ण समर्थन करती है तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सोनभद्र संयुक्त ट्रेड यूनियन के साथ इस हड़ताल में शामिल होकर 9 जुलाई 2025 को सुबह 11.00 बजे से सोनभद्र जिलाधिकारी कार्यालय पर उक्त मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन करेगी। पार्टी सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से आह्वान करती हैं कि समय से उपस्थित होकर इस हड़ताल को सफल बनाने में पूरा सहयोग करे। बैठक में पार्टी जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, सह सचिव कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा व कामरेड बसावन गुप्ता, कोषाध्यक्ष कामरेड प्रेम चंद्र , कामरेड राम रक्षा (पूर्व जिला सचिव), कामरेड अमरनाथ सूर्य, कामरेड अनंत उर्फ पप्पू भारती, कामरेड बाबू लाल चेरो, कामरेड कमला प्रसाद, कामरेड नागेन्द्र कुमार, कामरेड लीलावती देवी, कामरेड अरविंद , कामरेड लीलाधर कामरेड तारकेश्वर,कामरेड हृदय नारायण गुप्ता आदि कौंसिल सदस्यगण प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता कामरेड राजेन्द्र प्रसाद जी ने और संचालन कामरेड आर के शर्मा ने किया।

सहकारिता को नए-नए क्षेत्रों में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत आज जब एक समावेशी और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, ऐसे में सहकारिता क्षेत्र को भी अपनी भूमिका का विस्तार करते हुए नए-नए क्षेत्रों में सक्रियता से भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। यह बातें उन्होंने रविवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

यह कार्यक्रम गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति में यूनाइटेड शिफ्ट एंड क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटीज फेडरेशन ऑफ दिल्ली लिमिटेड द्वारा 'सहकारिता वर्ष संग्रह और सहयोग सम्मान समारोह' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इसमें सहकारिता आंदोलन से जुड़े उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित किया गया और समाज में सहयोग की भावना को मजबूत करने पर बल दिया गया।

गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, जिसका विषय है – सहकारिताएं एक बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं। यह वैश्विक पहल सहकारिताओं की भूमिका को उजागर करती है। स्वामित्व और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सहकारिताएं लोगों को एकजुट कर उनकी साझा आर्थिक और सामाजिक आवश्यकताओं को लोकतांत्रिक स्वामित्व और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से पूरा करने का माध्यम बनती हैं। ये संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में विशेष रूप से सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देने, असमानता को घटाने, और गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 'संग्रह और सहयोग सम्मान कार्यक्रम' इस बात का उदाहरण है कि स्थानीय सहकारी समितियां किस प्रकार सहकारिता के मूल सिद्धांतों (बचत को प्रोत्साहित करना, ऋण सुविधा उपलब्ध कराना, और सशक्त सामुदायिक नेटवर्क का निर्माण करना) को साकार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की संस्थाएं विशेष रूप से उन नागरिकों को सशक्त बनाती हैं, जिन्हें पारंपरिक वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच नहीं है। ये संस्थाएं उन्हें आजीविका सुधारने के लिए आवश्यक संसाधन और विश्वास प्रदान करती हैं।

विजेंद्र गुप्ता ने यह रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता आंदोलन अब विकसित भारत की एक मजबूत आधारशिला के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को गहराना, शासन व्यवस्था का आधुनिकीकरण करना, नए क्षेत्रों में विस्तार करना, और सहकारिताओं को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। यह परिवर्तन आज प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, सहकारी बैंकों, कर व्यवस्था, और निर्यात उन्मुख राष्ट्रीय सहकारिताओं की सुदृढ़ता में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जो आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में सीधे योगदान दे रहे हैं।

गुप्ता ने सहकारी संस्थाओं से आग्रह किया कि वे पारदर्शिता बनाए रखें, आधुनिक तकनीकों को अपनाएं, और नए दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें, ताकि वे वर्तमान सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का प्रभावी रूप से सामना कर सकें। इस अवसर पर अध्यक्ष ने दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में सहकारी संगठनों के नेताओं, समाज के सदस्यों और अन्य लोगों ने भाग लिया। सभी ने समावेशी विकास, सामुदायिक कल्याण और विकसित भारत के लक्ष्य की पूर्ति के लिए सहकारिता आंदोलन को सशक्त करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री सहित भाजपा नेताओं ने श्याम प्रसाद मुखर्जी को माल्यार्पण कर नमन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को शहीदी पार्क में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी उस राष्ट्रचेतना के प्रवर्तक थे, जिसने भारत को केवल भूगोल नहीं, एक संकल्प के रूप में देखा। उनके चिंतन में भारत की एकता थी और उनके संघर्ष में राष्ट्र की अखंडता का संकल्प। +एक देश, एक विधान, एक प्रधान+ यह कोई राजनीतिक नारा नहीं, भारत के स्वाभिमान की वह वाणी थी, जिसे उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर अमर किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस धारा से डॉ. मुखर्जी ने विचारों का दीप जलाया, उसी वैचारिक प्रकाश में भारतीय जनता पार्टी की नींव पड़ी। भाजपा केवल सत्ता का माध्यम नहीं, सेवा, राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत संकल्प है। यह वही विचार है, जो कहता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है, संविधान की गरिमा सर्वोच्च है और भारत की एकता अटूट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है, तब मुखर्जी जैसे महापुरुष हमारे वैचारिक पथप्रदर्शक और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा हैं।

नए पदों और वित्तीय आवश्यकताओं की शीघ्र पूर्ति सुनिश्चित करे डीयू प्रशासन: डूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) प्रशासन की ओर से अकादमिक परिषद में पूरक एजेंडा के माध्यम से प्रस्तुत पांच प्रतिशत क्रेडिट स्वयं और मूक्स जैसे ऑनलाइन माध्यमों से अर्जित करने के प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया है।

डूटा ने दिल्ली विश्वविद्यालय कुलपति प्रो योगेश सिंह को पत्र लिख कर साफ कर दिया है कि यह प्रस्ताव स्पष्ट रूप से विश्वविद्यालय में चौथे वर्ष के लागू होने से उत्पन्न अतिरिक्त अध्यापन पदों और वित्तीय आवश्यकताओं को टालने की मंशा को दर्शाता है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पूर्णतया खिलाफ है। इसलिए डूटा ऐसी किसी भी कोशिश को कतई स्वीकार नहीं करेगा। डूटा के अध्यक्ष प्रो. ए के भगी और महासचिव अनिल कुमार का कहना है कि हमने अपने पत्र में चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन इस तरह के प्रयासों के माध्यम से प्रशासन शैक्षणिक गुणवत्ता से समझौता करने का प्रयास करता है तो आगामी 12 जुलाई, 2025 से शिक्षक अधिकारों की रक्षा और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मूल्यों को सुरक्षा के लिए विरोध प्रदर्शन शुरू होगा।

डूटा अध्यक्ष प्रो एके भागी ने कुलपति को लिखे पत्र में बताया कि है कि अकादमिक परिषद की बैठक में शामिल पूरक एजेंडा बिंदु 6.1.5 के प्रति उनका कड़ा विरोध है। इस एजेंडा बिंदु में नियमित स्नातक (यूजी) एवं स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों में पांच प्रतिशत क्रेडिट स्वयं और मूक्स जैसे ऑनलाइन माध्यमों से अर्जित करने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। डूटा का मानना है कि इस प्रस्ताव के पीछे विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत चौथे वर्ष को लागू करने से उत्पन्न अतिरिक्त अध्यापन पदों और वित्तीय आवश्यकताओं को टालने की मंशा है। डूटा अध्यक्ष ने कहा है कि हम विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग करते है कि 2025-26 के शैक्षणिक कैलेंडर में शिक्षकों के बढ़ते शैक्षणिक कार्यभार को देखते हुए शीतकालीन अवकाश की अवधि बढ़ाई जाए इसके साथ-साथ सेमेस्टर ब्रेक को शिक्षकों के लिए औपचारिक अवकाश अवधि के रूप में घोषित किया जाए।

प्रो. भागी ने डूटा का मत स्पष्ट करते हुए अपने पत्र में कहा है कि नियमित विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से शैक्षणिक क्रेडिट अर्जित करने की अनुमति देना, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर और गुणवत्ता से समझौता करने का प्रयास है जोकि यह कक्षा में शिक्षण के महत्व को कम करेगा, विद्यार्थी-शिक्षक संवाद को बाधित करेगा और शिक्षकों पर कार्यभार को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। यह प्रस्ताव विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपरा और उन निर्णयों के विरुद्ध है, जो अब तक अकादमिक समुदाय और वैधानिक निकायों द्वारा लिए गए हैं, जिसमें प्रत्यक्ष शिक्षण और संकाय मार्गदर्शन को प्राथमिकता दी गई है। डूटा ने कहा है कि स्वयं और मूक्स जैसे ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की सामग्री, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक स्तर, दिल्ली विश्वविद्यालय की मजबूत शैक्षणिक संरचना के अनुरूप नहीं हैं और ऐसी किसी भी कोशिश को हम पूरा नहीं होने देंगे।

दिल्ली में 25 साल से फरार कुख्यात अपराधी अजय लांबा गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने कई अपराधों के सिलसिले में 25 सालों से फरार 49 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति पर आरोप है कि वह टैक्सी ??किराये पर मंगाता था, तथा उनके चालकों की हत्या कर उनके शवों को उत्तराखंड के दूरदराज के जंगली इलाकों में फेंक देता था और वाहनों को नेपाल सीमा पार बेच देता था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान अजय लांबा उर्फ ??बंशी के रूप में हुई है जो दिल्ली और उत्तराखंड में लूटपाट एवं हत्या के चार मामलों में वांछित था। पुलिस ने कहा कि उसे सभी मामलों में भगोड़ा घोषित किया गया था, जिसमें न्यू अशोक नगर थाने में दर्ज 2001 का हत्या का एक मामला भी शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि लांबा 1999 से 2001 के बीच किए गए कई जघन्य अपराधों का कथित मुख्य आरोपी था, जिसमें उसने अपने साथियों के साथ मिलकर टैक्सी चालकों को निशाना बनाया, उनकी हत्या की, उनके वाहन लूटे और पहचान छिपाने के लिए शवों को उत्तराखंड के दूरदराज के जंगली इलाकों में फेंक दिया।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने बताया, 1976 में जन्मे और मूल रूप से दिल्ली के कृष्णा नगर के रहने वाले अजय ने छठी कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया और कम उम्र में ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया। विकास पुरी पुलिस ने उसे पहले बंशी उपनाम से बदमाश घोषित किया था।

1996 में उसने अपना नाम बदलकर अजय लांबा रख लिया और उत्तर प्रदेश के बरेली में रहने लगा, जहां उसने अपने साथियों धीरेंद्र और दिलीप नेगी के साथ मिलकर अपराध को अंजाम दिया।''

पुलिस ने बताया कि लांबा को दिल्ली, हल्द्वानी, अल्मोड़ा और चंपावत में दर्ज लूटपाट और हत्या के चार मामलों में कभी गिरफ्तार नहीं किया गया, उसे सभी मामलों में भगोड़ा घोषित किया गया था और उस पर 1990 के दशक से चोरी और हथियार रखने जैसे कई आरोप भी लगे थे।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि लांबा लगातार अपने ठिकाने और पहचान बदलकर दो दशक से ज्यादा समय तक किसी की पकड़ में नहीं आया।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2008 से 2018 तक वह अपने परिवार के साथ नेपाल में रहा और बाद में देहरादून चला गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 2020 में वह मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हो गया और कथित तौर पर ओडिशा से दिल्ली और भारत के दूसरे हिस्सों में गांजा सप्लाई करने वाले गिरोह में काम करने लगा।

पुलिस ने बताया कि उसे 2021 में सागरपुर पुलिस द्वारा स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक मामले में और फिर 2024 में ओडिशा के ब्रह्मपुर में एक आभूषण की दुकान में लूटपाट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने कहा कि वह दोनों मामलों में जमानत पर बाहर था। पुलिस ने बताया कि उसने एक समन्वित अभियान में दिल्ली से लांबा को गिरफ्तार किया है।

सरकार उच्चतम न्यायालय से पुराने वाहनों के संबंध में एक समान नियम बनाने की मांग करेगी: गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार उच्चतम न्यायालय से आग्रह करेगी कि वह मियाद पूरी कर चुके वाहनों के लिए पूरे देश की तरह राष्ट्रीय राजधानी में भी एक समान नियम लागू करने की अनुमति दे।

पिछले सप्ताह, दिल्ली सरकार ने केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग से मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध को तत्काल स्थगित किये जाने का आग्रह किया था। सरकार ने कहा था कि सरकार तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर प्रतिबंध से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए ''सभी संभव प्रयास'' करेगी।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष राजेश वर्मा को लिखे पत्र में कहा कि ईंधन पर प्रतिबंध व्यवहार्य नहीं है और तकनीकी चुनौतियों के कारण इसे लागू नहीं किया जा सकता।

गुप्ता ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष लोगों की भावनाओं को रखेगी। उन्होंने कहा, ''हम उच्चतम न्यायालय को सरकार द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताएंगे। जो मापदंड पूरे देश में लागू हैं, वही दिल्ली में भी लागू होने चाहिए। हम चाहते हैं कि दिल्लीवासियों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 2018 में उच्चतम न्यायालय के एक फैसले में दिल्ली में 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के 2014 के आदेश में सार्वजनिक स्थानों पर 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों की पार्किंग पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

एम्स-आरएमएल में मनाया गया पीएमआर दिवस

-डॉक्टर-मरीज के बीच हुआ संवाद, बताया कैसे रह सकते हैं स्वस्थ

नई दिल्ली (एजेंसी)। एम्स और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में रविवार को राष्ट्रीय शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर) दिवस मनाया गया। इस दौरान डॉक्टरों और मरीजों में संवाद हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि कैसे भविष्य में होने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें दिव्यांगों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन सत्र, आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए ग्रुप डिस्कशन और सहारा देने वाली बैठकों का आयोजन हुआ। वहीं, एम्स के शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग ने कार्यक्रम आयोजित कर मरीजों को आत्मनिर्भर होने की जानकारी दी। विभाग के प्रमुख डॉ. प्रोफेसर संजय वाधवा ने कहा कि ऊंचाई से गिरने, चोट लगने सहित दूसरे कारणों में पीएमआर विभाग की जरूरत बढ़ी है। अस्पताल में ऐसे मरीज आते हैं जिन्हें जल्द ठीक करने के लिए एआई सहित अन्य तकनीकों का सहारा लिया जाता है। वहीं, विभाग की प्रोफेसर डॉ गीता हांडा टुकराल ने बताया कि ऊंचाई से गिरने, सड़क दुर्घटना के कारण लोगों में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी की समस्याएं बढ़ी हैं। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से मरीजों को जागरूक करने के साथ उनके परिवार को विशेष जानकारी दी जा सकती है जिससे भविष्य में ऐसी समस्याओं को रोका जा सकता है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के नाम को बदलने की मांग, सांसद खंडेलवाल ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के सबसे प्रमुख रेलवे स्टेशन (नई दिल्ली रेलवे स्टेशन) का नाम बदलकर 'अटल बिहारी वाजपेयी रेलवे स्टेशन' किए जाने की मांग उठी है। इस संबंध में भाजपा के लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर आग्रह किया है। अपने पत्र में खंडेलवाल ने लिखा है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन देश का सबसे व्यस्त और प्रतिष्ठित रेलवे स्टेशन है, जो राजधानी का प्रमुख प्रवेश द्वार भी है। ऐसे में इसका नाम भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखना, उनके योगदान को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। खंडेलवाल ने कहा कि पूर्व पीएम वाजपेयी न केवल एक प्रखर वक्ता और दूरदर्शी नेता थे, बल्कि उन्होंने आर्थिक सुधार, बुनियादी ढांचे के विकास और भारत की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। दिल्ली न सिर्फ उनकी राजनीतिक कर्मभूमि रही, बल्कि उनके जीवन से गहरे रूप में जुड़ी भी रही है। ऐसे में दिल्ली के इस ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन का नामकरण उनके नाम पर करना जनभावनाओं का सम्मान होगा। उन्होंने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि देशभर में कई महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थलों का नाम राष्ट्रीय नायकों पर रखा गया है, जैसे कि मुंबई का 'छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस' और बेंगलुरु का 'कांतिवीर संगोली रायन्ना स्टेशन'। इसी तर्ज पर नई दिल्ली स्टेशन का नाम भी अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा जाना उपयुक्त होगा। सांसद खंडेलवाल ने रेल मंत्री से इस प्रस्ताव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और आवश्यक प्रक्रिया शुरू करने की अपील की है। बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन काफी व्यस्त स्टेशन है, जहां से रोजाना सैकड़ों ट्रेनें परिचालित होती हैं।

दिल्ली : खिलौना व्यापारियों को टॉय पॉलिसी की उम्मीद, सीएम रेखा गुप्ता ने दिया आश्वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में टॉय एग्जीबिशन का उद्घाटन किया। इस दौरान सीएम ने प्रदर्शनी का बारीकी से निरीक्षण किया और यहां आए एक्जीबिटर्स को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि मुझे विश्वास है कि एक दिन विदेशों में भारत निर्मित खिलौनों की धूम मचेगी। सीएम ने अपने संबोधन में टॉय पॉलिसी और खिलौनों के व्यापार से जुड़े लोगों की समस्याओं का भी संज्ञान लिया। सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली में व्यापारियों और टॉय इंडस्ट्रीज के लिए एक अलग माहौल विकसित करना चाहती है। उन्होंने खिलौने के बारे में मजाकिए अंदाज में कहा कि आमतौर पर कार्यक्रमों में फूलों के गुलदस्ते से स्वागत किया जाता है। आज इस प्रदर्शनी में आने के दौरान मुझे लगा था कि यहां पर फूलों के गुलदस्ते की जगह खिलौने मिलेंगे। रेखा गुप्ता ने वर्तमान समय में खिलौनों के बदलते स्वरूप पर कहा कि पहले के दौर और आज के दौर में खिलौनों का स्वरूप बदला है। हालांकि, मुझे बचपन से खिलौने बहुत पसंद हैं, लेकिन खिलौनों का स्वरूप अब पहले जैसा नहीं रहा। उन्होंने प्रदर्शनी में विविध प्रकार के खिलौनों को देखकर खुशी जताई और व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान से सुना। मुख्यमंत्री ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार उनकी सुविधाओं और समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। खिलौना एसोसिएशन के अध्यक्ष मनु गुप्ता ने कहा कि हम मुख्यमंत्री के आगमन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि टॉय पॉलिसी, जो खिलौना उद्योग के विकास के लिए एक प्रमुख स्तंभ है, को सक्रिय रूप से समर्थन और बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, बिहार सहित दूसरे राज्यों में यह पॉलिसी है। अब दिल्ली में इस पॉलिसी के लिए आश्वासन मिला है।

मोदी की यात्रा से चमका भारत-त्रिनिदाद रिश्ता, डिजिटल से लेकर दवा तक हुए 6 बड़े समझौते

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी समकक्ष कमला प्रसाद बिसेसर के बीच वार्ता के बाद बुनियादी ढांचे और औषधि समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल परिवर्तन, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), क्षमता निर्माण और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा से दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को बढ़ावा मिला है।

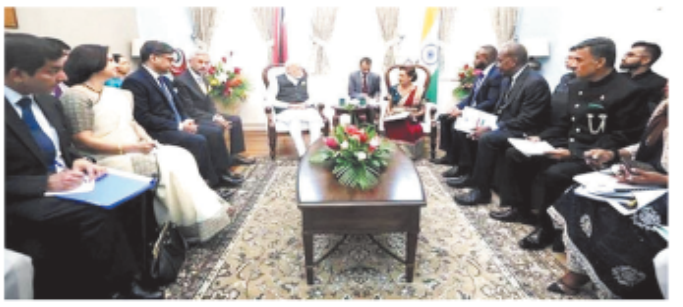

मोदी पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। यह 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान बिसेसर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की ''ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करेगी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के लोगों के प्रति त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मजबूत समर्थन व एकजुटता की सराहना की।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से भी मुलाकात की। मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच दोस्ती को नयी गति मिली है। उन्होंने कहा, ''त्रिनिदाद एवं टोबैगो को धन्यवाद। यहां बिताए गए पल कभी नहीं भुलाए जा सकेंगे। हमने भारत-त्रिनिदाद एवं टोबैगो मैत्री को नयी गति दी है।

राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू, प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर, सरकार और इस अद्भुत देश के लोगों के प्रति मेरा आभार। दोनों देशों के बीच छह समझौतों से भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच फार्माकोपिया, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं, संस्कृति, खेल और कूटनीतिक प्रशिक्षण आदि क्षेत्रों में गहन सहयोग संभव होगा। द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं, जिनमें कैरेबियाई देश में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई (भारत की विदेशी नागरिकता) कार्ड की पेशकश भी शामिल है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी और बिसेसर ने 'ग्लोबल साउथ के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने तथा 'भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। 'कैरिकॉम (कैरेबियन समुदाय) 15 राष्ट्रों और पांच सहयोगी सदस्यों का एक क्षेत्रीय राजनीतिक और आर्थिक संघ है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और साइबर सुरक्षा जैसी समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग का आह्वान किया।

राष्ट्रपति कंगालू के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बैठक पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह गर्मजोशी से भरी बैठक थी तथा यह दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता की बानगी थी। मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने इस वर्ष प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्राप्त करने पर राष्ट्रपति कंगालू को बधाई दी और उनकी विशिष्ट सार्वजनिक सेवा के लिए गहरी सराहना की।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिसेसर को भारत आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कैरेबियाई देश की संसद को संबोधित किया और दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''दोनों देशों के बीच संबंधों में स्वाभाविक गर्मजोशी है। मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के सबसे उत्साही प्रशंसकों में से भारतीय हैं! हम पूरे दिल से उनका उत्साहवर्धन करते हैं, सिवाय इसके कि जब वे भारत के खिलाफ खेल रहे हों।

मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की विकास यात्रा में भारतीय मूल के लोगों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''राजनीति से लेकर कविता तक, क्रिकेट से लेकर वाणिज्य तक, कैलिप्सो से लेकर चटनी तक, वे हर क्षेत्र में योगदान देते हैं। वे उस जीवंत विविधता का अभिन्न अंग हैं जिसका आप सभी सम्मान करते हैं। मोदी ने कहा, ''आपने मिलकर एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण किया है जो अपने आदर्श वाक्य पर चलता है- 'हम साथ मिलकर आकांक्षा रखते हैं, हम साथ मिलकर हासिल करते हैं। भारत तथा त्रिनिदाद और टोबैगो ने 31 अगस्त 1962 को राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। उसी वर्ष इस कैरेबियाई राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी।

अमेरिका में वन बिग ब्यूटीफुल बिल बना कानून, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया बड़ा आर्थिक कानून वन बिग ब्यूटीफुल पास किया है। उन्होंने 4 जुलाई को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर व्हाइट हाउस में एक पिकनिक समारोह के दौरान इस बिल पर हस्ताक्षर किए। अब यह बिल कानून बन चुका है।सरकार का दावा है कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को तेज़ी मिलेगी, मिडिल क्लास को फायदा होगा, और छोटे व्यापारों को बढ़ावा मिलेगा।

कैसे बना यह कानून?

यह बिल पहले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (अमेरिकी संसद का निचला सदन) में पेश हुआ, जहाँ इसे 218-214 वोटों से पास किया गया।

ट्रंप ने क्या कहा?

व्हाइट हाउस के लॉन में आयोजित पिकनिक में ट्रंप ने कहा- यह कानून अमेरिकी परिवारों और बिज़नेस के लिए एक नई शुरुआत है। टैक्स कम होंगे, खर्च नियंत्रित होंगे, और अमेरिका की अर्थव्यवस्था पहले से भी ज्यादा मज़बूत होगी।उन्होंने दावा किया कि- यह अब तक की सबसे बड़ी टैक्स कटौती है सबसे बड़ा सरकारी खर्च कम किया गया है अमेरिकी इतिहास में सबसे ज़्यादा सीमा सुरक्षा पर निवेश किया गया है ट्रंप ने यह भी कहा, मैंने पहले कभी लोगों को इतना खुश नहीं देखा। सैनिकों से लेकर आम नागरिक तक सभी को अब ज़्यादा सुरक्षा और स्थिरता महसूस हो रही है।

लेकिन क्यों हो रहा है विरोध?

हालांकि ट्रंप और उनके सहयोगी इसे बड़ी जीत बता रहे हैं, लेकिन बहुत से जानकार और विपक्षी नेता इस कानून पर सवाल उठा रहे हैं।

रिकॉर्ड विरोध भाषण

हाउस में डेमोक्रेटिक लीडर हकीम जेफ्रीज़ ने इस बिल का विरोध करते हुए लगातार 8 घंटे 46 मिनट तक भाषण दिया। उन्होंने इसे अमीरों का तोहफा और गरीबों की सजा

पुतिन के हाइपरसोनिक मिसाइल हमले के बाद यूक्रेन का काउंटर अटैक, रूस के मिलिट्री एअरफील्ड को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस पर पलटवार करते हुए शनिवार (05 जुलाई, 2025) को उसके मिलिट्री एअरफील्ड पर हमला किया। इस बात की जानकारी यूक्रेन की सेना ने सोशल मीडिया के जरिए दी।

यूक्रेनी सेना ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के विशेष बलों ने शनिवार को वोरोनिश क्षेत्र में रूस के बोरिसोग्लबस्क सैन्य हवाई क्षेत्र पर हमला किया, जिसमें ग्लाइडर बम स्टोर और एक ट्रेनर एअरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। सेना ने आगे कहा कि अन्य विमानों पर भी हमला होने की संभावना है।

हालांकि सेना ने इसकी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। वहीं, रूस ने सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए ड्रोन और मिसाइलों से रात भर यूक्रेन को निशाना बनाया। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई और एक बच्चे समेत कम से कम 26 लोग घायल हुए। अधिकारियों ने बताया कि कीव में सात घंटे तक चली बमबारी से राजधानी के कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है।रात के समय आसमान में धमाकों की रोशनी फैल गई और हवाई हमले के सायरन की आवाजें पूरे शहर में गूंजने लगीं। आपातकालीन वाहनों की नीली रोशनी ऊंची इमारतों पर पड़ रही थी और मलबे ने शहर की सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था।

बच्चा पैदा करो, सरकार से पाओ 1.26 लाख!

बीजिंग एजेंसी। चीन इन दिनों एक गंभीर जनसांख्यिकीय संकट से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का खिताब गंवा चुका यह देश अब घटती जनसंख्या को थामने के लिए हर मुमकिन कोशिश में जुटा है। बच्चों के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए अब चीनी सरकार ने एक नई योजना का ऐलान किया है, जिसमें माता-पिता को आर्थिक सहायता दी जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इस कदम से परिवारों को संतानोत्पत्ति के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

नई स्कीम में क्या मिलेगा?

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन सरकार 1 जनवरी 2025 से जन्म लेने वाले हर बच्चे के लिए माता को तीन साल तक हर साल 3,600 युआन (करीब ?42,000) की आर्थिक मदद देगी। इस तरह कुल सहायता राशि करीब ?1.26 लाख होगी। हालांकि, इस योजना की आधिकारिक पुष्टि अब तक स्टेट काउंसिल इंफॉर्मेशन ऑफिस द्वारा नहीं की गई है।

इसके अलावा, स्थानीय सरकारें भी अपनी-अपनी योजनाएं लेकर सामने आ रही हैं। उदाहरण के तौर पर, इनर मंगोलिया के होहोट शहर में दूसरे बच्चे पर 50,000 युआन और तीसरे बच्चे पर 1 लाख युआन की पेशकश की जा रही है।

जनसंख्या में लगातार गिरावट : रॉयटर्स की रिपोर्ट बताती है कि 2024 में चीन की जनसंख्या 1.409 बिलियन से घटकर 1.408 बिलियन रह गई है। 2022 में चीन की जनसंख्या में 60 वर्षों बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई थी, और यह सिलसिला अब भी जारी है।

चीन में एक समय लागू रही कुख्यात वन चाइल्ड पॉलिसी को अब थ्री-चाइल्ड पॉलिसी से बदल दिया गया है, लेकिन इसका असर अपेक्षित नहीं रहा। परिवारों को बड़ी चिंता इस बात की है कि बढ़ती महंगाई और जीवनशैली के खर्चों के बीच वे बच्चों का लालन-पालन कैसे करेंगे।

हाल ही में चीन में 1.44 लाख माता-पिता पर किए गए एक सर्वे में सामने आया कि केवल 15ø लोग ही ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए इच्छुक हैं। जब इन्हें आर्थिक मदद के तौर पर 1,000 युआन की पेशकश की गई, तब भी यह आंकड़ा 8.5ø ही बढ़ा। यानी, सरकार की आर्थिक सहायता से कुछ असर जरूर दिख रहा है, लेकिन यह बेहद सीमित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या का हल केवल आर्थिक सहायता से नहीं निकल सकता। इसके लिए दीर्घकालिक सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बदलाव ज़रूरी हैं।

गिरती जनसंख्या दर की चुनौती केवल चीन तक सीमित नहीं है। दक्षिण कोरिया में एक साल से कम उम्र के बच्चों वाले परिवारों को मासिक सब्सिडी 700,000 से बढ़ाकर 1 मिलियन चत्र्क्रु कर दी गई, जिससे पहली बार 3.1ø की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं जापान में सरकार ने चाइल्ड केयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 2005 से हजारों डे-केयर सेंटर शुरू किए, जिससे प्रजनन दर में मामूली सुधार देखा गया।

चैटजीपीटी ने दिखाया रास्ता... पलक झपकते ही बदल दी जिंदगी! महिला ने चुकाया 20 लाख का लोन

वाशिंगटन एजेंसी। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ तकनीकी दुनिया में बदलाव नहीं ला रहा, बल्कि आम लोगों की ज़िंदगी में भी बड़ा फर्क डाल रहा है। अमेरिका की रहने वाली 35 साल की जेनिफर एलन इसकी एक सच्ची मिसाल हैं। उन्होंने एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से करीब 20 लाख रुपये (25,000 डॉलर से ज़्यादा) का क्रेडिट कार्ड कर्ज चुकाया।

पेशे से रियल एस्टेट एजेंट, पर फाइनेंशियल समझ की कमी : जेनिफर पेशे से रियल एस्टेट एजेंट और साथ ही कंटेंट क्रिएटर भी हैं। आमदनी अच्छी थी, लेकिन फाइनेंशियल लिटरेसी यानी पैसों की समझ की कमी उन्हें धीरे-धीरे मुसीबत में ले आई। जब उनकी बेटी का जन्म हुआ, तो मेडिकल खर्च और बच्चों की ज़रूरतें बढ़ गईं। ऐसे में उन्हें बार-बार क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ा। वे बताती हैं कि उन्होंने कोई फिजूलखर्ची नहीं की, सिर्फ ज़रूरी चीजों पर ही पैसे खर्च किए। लेकिन धीरे-धीरे कर्ज इतना बढ़ गया कि खुद भी डरने लगीं। एक दिन

जब चैटजीपीटी की सलाह पर उन्होंने अपने पुराने ब्रोकरेज अकाउंट्स की जांच की, तो उन्हें हैरानी हुई।

उन्हें वहां करीब 8.5 लाख रुपये (10,000 डॉलर से ज़्यादा) की रकम मिली जो उन्होंने पहले कभी निवेश की थी लेकिन भूल चुकी थीं। दूसरी तरफ, किराने के खर्च पर नियंत्रण रखकर उन्होंने 50 हजार रुपये से ज़्यादा की बचत भी की। इस तरह, सिर्फ 30 दिनों में वे करीब 10.3 लाख रुपये का कर्ज चुका सकीं, जो उनके कुल कर्ज का लगभग आधा था।

पैसों से डरना छोड़ दिया, यही असली जीत है : जेनिफर कहती हैं, ये किसी जादू की तरह नहीं था। मैंने रोज़ अपने हालात का सामना किया, अपनी गलतियों को समझा और उन्हें सुधारने की कोशिश की। मैंने पैसों से डरना छोड़ दिया, यही मेरी सबसे बड़ी जीत है। अब वे एक और 30 दिनों का फाइनेंशियल चैलेंज शुरू करने की तैयारी में हैं, ताकि बाकी का कर्ज भी उतारा जा सके।

दूसरों के लिए प्रेरणा बनीं जेनिफर : अमेरिका जैसे देश में जहां पर्सनल कर्ज लगातार बढ़ रहा है, वहां जेनिफर की कहानी लाखों लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण है। उनका साफ़ संदेश है, शुरुआत करने के लिए परफेक्ट समय का इंतज़ार मत करो। सही जवाबों की तलाश में मत भागो। बस शुरुआत करो और अपनी स्थिति से भागना बंद करो।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो में बिना वीजा 90 दिन रह सकते हैं भारतीय

चगवानस एजेंसी। दुनियाभर में भारतीय पासपोर्ट की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है। अब भारतीय नागरिक त्रिनिदाद एंड टोबैगो जैसे खूबसूरत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश में बिना वीजा 90 दिन तक रह सकते हैं। यह सुविधा सिर्फ पर्यटन ही नहीं, बल्कि परिवार से मिलने या व्यावसायिक उद्देश्य के लिए यात्रा कर रहे भारतीयों पर भी लागू होती है।

यह सुविधा दर्शाती है कि भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के संबंध कितने मजबूत हैं, और यह भी दिलचस्प है कि इस देश की सत्ता के प्रमुख पदों पर भारतीय मूल के नेता मौजूद हैं।

बिना वीजा के 90 दिन कैसे बिता सकते हैं? जानें नियम : भारतीय नागरिक यदि घूमने, बिजनेस या परिवार से मिलने के लिए त्रिनिदाद एंड टोबैगो जाना चाहते हैं, तो उन्हें पहले से वीजा लेने की जरूरत नहीं है। वे वहां 90 दिनों तक रुक सकते हैं। हालांकि कुछ बुनियादी नियमों का पालन करना जरूरी है-

त्रिनिदाद एंड टोबैगो- एक देश, दो द्वीप, अनगिनत अनुभव : त्रिनिदाद एंड टोबैगो दो द्वीपों से मिलकर बना एक कैरेबियाई देश है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और विविधता के लिए मशहूर है।

भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के गहरे संबंध : इस कैरेबियाई देश में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी समुदाय है, जिनकी जड़ें 180 साल पुरानी हैं। यहां के बहुत से नागरिकों के पूर्वज 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूर के रूप में भारत से आए थे। आज वे देश के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में त्रिनिदाद की यात्रा के दौरान इन संबंधों को साझा संस्कृति और भविष्य की साझेदारी बताया। इस दौरान भारत और त्रिनिदाद के बीच कई समझौते भी हुए।

चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग, डॉ. एस.एस. संधु ने राज्यपाल गुरमीत सिंह से की मुलाकात

देहरादून (राजभवन कार्यालय)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को राजभवन में चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग, डॉ. एस.एस. संधु ने शिष्टाचार भेंट की।

राज्यपाल से राजभवन में जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने शिष्टाचार भेंट की

देहरादून (राजभवन कार्यालय)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को राजभवन में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग प्रतीक जैन ने शिष्टाचार भेंट की।

निर्बल लोगों को डीएम ने प्रदान की 1.50 लाख की आर्थिक सहायता

असहाय विधवा पुनम ठाकुर, बिरोजनी उनियाल, आशादेवी, खष्टी बिष्ट, बबीता एवं रेशमी जिनके पति एक्सीडेंट में गंभीर घायल हैं, का सहारा बना डीएम का रायफल फंड, २५-२५ हजार आर्थिक सहायता चौक

देहरादून। मा0 मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जिलाधिकारी सविन बंसल जनपद में असहाय, अक्षम और निर्धन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। गरीब और जरूरतमंदों को सरकार की योजनाओं के साथ ही जिले स्तर पर उपलब्ध संशाधनों से आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी विशेष जरूरतों को पूरा करने में जुटे है। राज्य में प्रथमबार, रायफल क्लब फंड का सदुपयोग; जरूरतमंद असहाय, लाचार विधवा के जीवन उत्थान पर किया जा रहा है देहरादून यह शुरूआत करने वाला पहला जिला बना है। आज कलेक्ट्रेट में असहाय विधवा पुनम ठाकुर, बिरोजनी उनियाल, आशादेवी, खष्टी बिष्ट, बबीता एवं रेशमी जिनके पति का एक्सीडेंट में गंभीर घायल हैं, का सहारा बना डीएम का रायफल फंड, 25-25 हजार आर्थिक सहायता चौक वितरित किए गए है।

जिलाधिकारी के प्रयासों से जनपद में सक्रिय रायफल क्लब फंड से सोमवार को 06 असहाय, अक्षम और जरूरतंद लोगों को 1.50 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। जिसमें आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर गुलरघाटी निवासी पूनम ठाकुर एवं डालवाला निवासी बिरोजनी उनियाल को बच्चों की स्कूल फीस के लिए 25-25 हजार की आर्थिक सहायता चेक प्रदान किए गए। वहीं 12 वर्षो से किराए के मकान में रह रही लकवा रोग से ग्रसित डालनवाला निवासी आशा देवी,

दूसरे के घरों में कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही नेहरू कॉलोनी निवासी असहाय महिला खष्टी बिष्ट, दुर्घटना में पति का पैर टूटने पर उसके उपचार हेतु विकासनगर निवासी रेशमी और परिवार की आजीविका का कोई साधन न होने पर अचार बनाने का कार्य करने की इच्छुक गांधी ग्राम निवासी गरीब महिला बबीता को 25-25 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने लकवा रोग से पीड़ित आशा देवी को आर्थिक सहायता का चेक प्रदान करने के बाद उनको सारथी वाहन से सुरक्षित उनके घर तक भी पहुंचाया। जिलाधिकारी के जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान प्राप्त होने वाले आर्थिक सहायता के आवेदन के तहत् रायफल फंड से असहायों को किया जा रहा है सशक्त बनाया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा प्रयास गरीब, असहाय और अक्षम लोगों समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का है। यद्यपि हम गरीब और असहाय लोगों की समस्या का पूर्ण निवारण नहीं कर सकते है, परंतु आर्थिक सहयोग प्रदान कर उनकी समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मा0 मुख्यमंत्री के निर्देशों पर समाज के वंचित वर्ग के लोगों को चिन्हित कर उनको सरकार की योजनाओं और विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध फंड से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। कहा कि जिले में राइफल क्लब फंड से आज 06 असहाय, गरीब एवं निर्बलों को सहयोग राशि प्रदान की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि राइफल क्लब मूलभूत सुविधाओं से हटकर एक लक्सरी ट्रॉजेक्शन है। इसका उपयोग सीएसआर गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। डीएम ने समाज में असहाय लोगों को चिन्हित करने के लिए ग्रांउट स्टाफ एवं इसमें काम कर रहे अधिकारियों की प्रशंसा भी की। इस दौरान उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। जिलाधिकारी ने कहा कि इस सहायता को निवेश के रूप में उपयोग करें तथा अपने जीविकोपार्जन हेतु स्वरोजगार, व्यवसाय में उपयोग करें।

जिलाधिकारी सविन बसंल के ही प्रयासों से 2015 के उपरान्त 10 वर्ष के लम्बे अन्तराल के बाद रायफल क्लब की बैठक की थी। बैठक समिति द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु रायफल क्लब अनुदान राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया था। रायफल फंड और अधिक सशक्त बनाने तथा इसमें प्राप्त धनराशि से असहाय, निर्बल के जनसामानय के सहायतार्थ कार्य किए जा रहे है। मूलभूत आवश्यकताओं से परे शस्त्र लाईसेंस एक लग्जरी ट्राजेंक्शन है रायफल क्लब में अनिवार्य योगदान जनहित के दृष्टिगत नया लाईसेंस, शस्त्र बदलाव, समय विस्तार, सीमा विस्तार, क्रय-विक्रय, सब ट्रांजेक्शन उच्च निवल मूल्य तय कर दिए गए हैं, जिससे रायफल क्लब वित्तीय रूप से सशक्त बनेगा। वहीं 20 साल बाद डीएम की पहल से जिले में रायफल फंड का उपयोग निर्धन, निर्बल, असहाय के लिए किया गया है।

जिलाधिकारी सविन बसंल ने प्रथम बार जिले में रायफल फंड का उपयोग किया जिससे जिले में अब तक इस फंड से धनराशि रू0 9.70 लाख की सहायता पत्रों को वितरित की गई है। इससे पूर्व इस फंड से झुग्गी बस्ती प्रेमनगर में बालवाडी मरम्मत हेतु दिव्यांग महिला को धनराशि रू0 1,30000, ग्राम फनार तहसील त्यूनी निवासी गरीब बिधवा महिला नीतू दुर्गादेवी के विद्युत बिल की धनराशि रू0 18000, अनाथ अदिति के पिता द्वारा लिए गए बैंक ऋण रू0 50000, भगत सिंह कालोनी निवासी शमीमा को स्वरोजगार हेतु धनराशि रू0 30,000, सरस्वती शिशु मंदिर प्रबन्धक समिति भोगपुर जहां दूर-दूर से बच्चें पढने आते हैं, को बच्चों के परिवहन हेतु वाहन के लिए धनराशि रू0 5,73950 की सहायता प्रदान की गई।

ज्ञातब्य है कि रायफल क्लब वर्ष 1959 से संचालित है जिसमें नये शस्त्र लाईसेंस, लाईसेंस पंजीकरण, नवीनीकरण, शस्त्र लाईसेंस सीमा विस्तार, गनलाईसेंस की टीएल / एनओसी, शस्त्र विक्रय अनुमति, शस्त्रलाईसेंस श्रेणी परिवर्तन, शस्त्र कय करने की समयावधि बढाने आदि के लिए रायफल फंड में अनुदान लिया जाता है। समिति से उक्त धनराशि बढाने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। उक्त विभिन्न कार्यों हेतु 2500 से लेकर 25000 तक करने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी, मुख्य प्रशानिक अधिकारी कपिल कुमार उपस्थित रहे।

प्रधान प्रत्याशी का झूठा शपथपत्र पड़ा भारी, आवेदन निरस्त, प्रतिद्वंद्वी का निर्विरोध निर्वाचित होना तय

बागेश्वर। जिले के कपकोट ब्लॉक में पंचायत चुनाव के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ग्राम प्रधान प्रत्याशी द्वारा शौचालय निर्माण को लेकर किया गया झूठा दावा भारी पड़ गया। नामांकन पत्र के साथ दाखिल किए गए शपथपत्र में प्रत्याशी ने घर में शौचालय होने की बात कही थी, लेकिन प्रतिद्वंद्वी की आपत्ति पर जांच हुई तो दावा झूठा निकला।

जांच में शौचालय न मिलने की पुष्टि के बाद निर्वाचन अधिकारी ने प्रत्याशी का आवेदन नियमों के तहत निरस्त कर दिया।

कपकोट के छुरिया ग्राम पंचायत में प्रधान पद के लिए केवल दो प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। एक प्रत्याशी के आवेदन निरस्त होने के बाद अब दूसरा

प्रत्याशी निर्विरोध विजयी माना जा रहा है। सोमवार से शुरू हुई नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया के पहले दिन ही यह मामला सामने आया। कपकोट ब्लॉक में जहां एक नामांकन रद्द हुआ, वहीं गरुड़ ब्लॉक में दो अन्य ग्राम प्रधान प्रत्याशियों के आवेदन भी खारिज किए गए।

जांच समिति ने बताया कि आरोपी प्रत्याशी को अटल आवास योजना का लाभ मिल चुका है, और इस योजना की शर्तों में शौचालय निर्माण अनिवार्य है। इसके बावजूद घर में शौचालय नहीं बनवाया गया। यह स्पष्ट उल्लंघन निर्वाचन नियमावली का था। बागेश्वर जिला पंचायत की अन्य सीटों ख़ भैरूचौबट्टा, चौंरा, और जेठाईं में भी आपत्तियां दर्ज की गई हैं, जिनकी जांच जारी है।

यह मामला पंचायत चुनावों में पारदर्शिता और सत्यापन की प्रक्रिया की अहमियत को दर्शाता है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आफॅसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादक: विभोर त्रिखा-09927012330